Shodhshauryam, International Scientific Refereed Research Journal
© 2020 SHISRRJ | Volume 3 | Issue 3 | ISSN : 2581- 6306

वर्ग के आधार पर स्नातक स्तर के विधार्थियों की अध्ययन आदत का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन

डॉ0 प्रवीन कुमार सिंह
शोध निर्देशक, असिस्टेंट प्रोफेसर
शिक्षक शिक्षा विभाग (बी0एड0), सल्तनत बहादुर पी0जी0 कॉलेज, बदलापुर, जौनपुर, उत्तर प्रदेश।

मनीष कुमार पासवान
शोधकर्ता, एम0ए0, एम0एड्0
सल्तनत बहादुर पी0जी0 कॉलेज, बदलापुर, जौनपुर (उ0प्र0) उत्तर प्रदेश।

सारांश– अध्ययनकर्त्ता द्वारा वर्ग के आधार पर स्नातक स्तर के विधार्थियों की अध्ययन आदत का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया गया है। अध्ययन में विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर अध्ययन आदत के प्रभाव को देखने के लिए सहसम्बन्धात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन में जनसंख्या के रूप में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में स्थित महाविद्यालयों एवं उसमें अध्ययनरत् स्नातक स्तर के विद्यार्थियों को जनसंख्या माना गया है। प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्श के चयन हेतु स्तरीकृत यादृच्छिकी विधि का प्रयोग किया गया है। जिसमें गोरखपुर जिले के 20 महाविद्यालयों (10 शहरी एवं 10 ग्रामीण) में अध्ययनरत् 400 विद्यार्थियों (200 शहरी एवं 200 ग्रामीण क्षेत्र) का यादृच्छिकी न्यादर्शन विधि द्वारा चयन किया गया। तत्पश्चात् चयनित महाविद्यालयों से बी0ए0 एवं बी0एस–सी0 के 400 छात्र–छात्राओं को लेकर उन पर परीक्षणों को प्रशासित करके आँकड़ों का संकलन किया गया है। उद्देश्यों की पूर्ति हेतु डॉ0 डिम्पल रानी एवं डा0 एम0एल0 जैदका द्वारा निर्मित अध्ययन आदत मापनी एवं शैक्षिक उपलब्धि–(विद्यार्थियों की पिछली परीक्षा में प्राप्त प्राप्तांक को सम्मिलित किया गया है। अध्ययन में आँकड़ों के विश्लेषण हेतु प्रसरण (एनोवा) मान एवं टी–अनुपात सांख्यिकी विधियों का प्रयोग किया जा रहा है। निष्कर्ष में पाया गया कि–

उच्च के साथ न्यून आदत वाले कम जबकि औसत आदत वाले कला विद्यार्थी अधिक तथा तीनों की उपलब्धि में अन्तर होने के कारण उपलब्धि पर प्रभाव है। अतः स्नातक स्तर के कला वर्ग के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव है।

उच्च के साथ न्यून आदत वाले कम जबकि औसत आदत वाले विज्ञान विद्यार्थी अधिक तथा तीनों की उपलब्धि में अन्तर होने के कारण उपलब्धि पर प्रभाव है। अतः स्नातक स्तर के विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव है।

प्रस्तावना

अध्ययन की आदतें सीखने के दौरान किसी की प्रक्रियाओं को ग्रहण करती है और उनका मार्गदर्शन करती है तथा छात्रों की उपलब्धि में महत्वपूर्ण है। इसे ध्यान में रखते हुए कुछ शोधकर्ताओं ने अपने विचार देते हुए कहा कि अच्छे और प्रभावी अध्ययन की आदतों और कौशल, छात्रों एवं शिक्षकों के संबंध और अनुकूल स्कूल

और घर के माहौल जैस कारकों के परस्पर कारकों के परस्पर भूमिका से छात्रों पर प्रभाव पड़ता है। हालाँकि, स्कूलों में जो पढ़ाया जाता है उसका सफल अध्ययन और समझना अच्छा प्रदर्शन प्राप्त करने में और समाज में पूरी–तरह भाग लेने के लिए सर्वाधिक है।

एम०एन० शर्मा (1994) ने अपना विचार देते हुए कहा था कि अच्छी अध्ययन आदतों का अर्थ है कि अध्ययन के वातावरण के साथ सभी प्रतिस्पर्धा आकर्षणों पर काबू पाना दोनों आंतरिक और बाहरी जैसे कि अध्ययन करते समय फिल्में देखना, शोर करना अन्य किताबे पढ़ना, चर्चा और शिक्षार्थी की मन की स्थिति को जानना होता है। आदित्य नाथ (2000) ने आगे खराब अध्ययन आदतों के प्रभाव पर जोर दिया और कहा कि अध्ययन की आदतें अध्ययन को कठोर और दर्दनाक बनाती है। शिक्षा प्रणाली में अन्य कमियों के बीच छात्रों की अध्ययन की आदतें शिक्षा के स्तर और छात्र के व्यक्तिगत प्रदर्शन को प्रतिबिंबित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सोरेन्सन (1991) ने अच्छी बुनियादी अध्ययन आदतों को रेखांकित करते हुए कहा किसी भी छात्र को प्राथमिक संस्थान के साथ अध्ययन करना चाहिए। इसके लिए जरूरी है कि इसे हासिल करने में जल्दबाजी न करें, इसके बजाए निरंतर एकाग्रता अनिवार्य है। विक्रमदत (1992) का मत था कि अध्ययन की प्रभावी आदतों में योजना स्थान एक निश्चित समय सारिणी और सुव्यवस्थित नोट्स का संक्षित विवरण शामिल है। पटेल (1976) के अनुसार, अध्ययन की आदतों में शामिल हैः

- घर का वातावरण और कार्य योजना
- पढ़ने और नोट लेने की आदतें
- विषय की योजना
- परीक्षा की तैयारी
- सामान्य आदतें और दृष्टिकोण तथा स्कूल का वातावरण

प्रभावी अध्ययन आदतों के परिणाम स्वरूप सकारात्मक सीखने का परिणाम होता है, दोषपूर्ण अध्ययन की आदतों के परिणामस्वरूप खराब सीखने का परिणाम होता है। इसी तरह की बात करते हुए केमजिका (1988) ने कहा अध्ययन की आदतें को प्रभावी माना जाने के लिए, निम्नलिखित मूलमूत घटक और अधिक स्पष्ट रूप से मौजूद होने चाहिए, दैनिक अध्ययन कार्यक्रम तैयार करना और उसका पालन करना, पढ़ने की आदतों सहित शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया में पूर्ण भागीदारी, कक्षा के काम और आसाइमेन्ट को तुरंत करना और बदलना, शिक्षक के पढ़ाने के दौरान और निजी अध्ययन के दौरान बिंदुओं का उल्लेख करना चाहिए। प्रत्येक छात्र के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अध्ययन की अच्छी आदतें आवश्यक तत्व है। ओनिकाय (1987) ने सुझाव दिया कि अप्रभावी अध्ययन तकनीक खराब ग्रेड या शैक्षणिक विफलताओं के लिए जिम्मेदार प्रमुख कारकों में से है।

एक अन्य बिन्दु जो तर्कसंगत रूप से व्यक्त किया गया है वह है बागुवोय (1993) ने कहा कि एक प्रमुख क्षेत्र जिसमें छात्रों को अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए तैयारी की आवश्यकता हेाती है, वह यह है कि अध्ययन कैसे करना है और प्रभावी अध्ययन आदतों की कमी छात्रों के बीच एक आम शैक्षिक समस्या है। स्वेन्सन (1997) इस बात से सहमत थे कि अध्ययन की आदतों और छात्रों के प्रदर्शन के बीच संबंध सर्वोपरि है। उन्होंने इस तथ्य के आधार पर पहले के शोध प्रयासों की आलोचना की, कि इस्तेमाल किए गए चर घटना पर सैद्धान्तिक रूप से लगाए गए थे।

प्रभावी अध्ययन कौशल में सुधार के उद्देश्य से प्रत्येक शिक्षार्थी के भीतर सीमित खजाने को खोजा और पोषित किया जाना चाहिए। कहाँ, कब और कितना अध्ययन करना है, इसकी योजना बनाने से सीखने में सुधार होता है।

दशपांडे (1984) ने कहा था कि "व्याख्याएँ चाहे कितनी भी सही हों अपने तरीके से समस्या के बारे में एकतरफा दृष्टिकोण रखा है और केवल इसकी सतह को खरोंच दिया है"। प्रश्नों के उत्तर की तलाश में

शोधकर्ताओं द्वारा अकादमिक उपलब्धि को प्रभावित करने वाले कारकों की पहचान करने के लिए कई प्रयास किए गए है। सरकारी उच्च विद्यालयों में कम उपलब्धि के कारणों की जाँच से पता चलता है कि खराब प्रदर्शन के कारण निम्न प्रेरणा अगली कक्षा के उदार पदोन्नति की नीति, खराब अध्ययन की आदतें और शिक्षा में माता–पिता की भागीदारी की कमी थी। यह कहा जा सकता कि चर जो छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करते है। उपलब्धि सभी शैक्षणिक प्रयासों का मुख्य सरोकार यह देखना है कि शिक्षार्थी क्या हासिल करता है।

अतः अध्ययनकर्त्ता द्वारा **वर्ग के आधार पर स्नातक स्तर के विधार्थियों की अध्ययन आदत का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन** किया जा रहा है।

अध्ययन का उद्देश्य–

निम्नलिखित उद्देश्यों का अध्ययन किया गया है–

1. स्नातक स्तर के विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।
2. स्नातक स्तर के विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।

परिकल्पनाएँ–

अध्ययनों के आधार पर निम्नलिखित शून्य परिकल्पनाओं का परीक्षण किया गया है–

H_{01} स्नातक स्तर के कला वर्ग के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

H_{02} स्नातक स्तर के विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

शोध विधि–

अध्ययन में विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर अध्ययन आदत के प्रभाव को देखने के लिए सहसम्बन्धात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया जा रहा है।

जनसंख्या

प्रस्तुत अध्ययन में जनसंख्या के रूप में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में स्थित महाविद्यालयों एवं उसमें अध्ययनरत् स्नातक स्तर के विद्यार्थियों को जनसंख्या माना गया है।

न्यादर्श–

प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्श के चयन हेतु स्तरीकृत यादृच्छिकी विधि का प्रयोग किया जा रहा है। जिसमें गोरखपुर जिले के 20 महाविद्यालयों (10 शहरी एवं 10 ग्रामीण) में अध्ययनरत् 400 विद्यार्थियों (200 शहरी एवं 200 ग्रामीण क्षेत्र) का यादृच्छिकी न्यादर्शन विधि द्वारा चयन किया गया। तत्पश्चात् चयनित महाविद्यालयों से बी0ए0 एवं बी0एस–सी0 के 400 छात्र–छात्राओं को लेकर उन पर परीक्षणों को प्रशासित करके आँकड़ों का संकलन किया जा रहा है।

शोध उपकरण–

उद्देश्यों की पूर्ति हेतु डॉ0 डिम्पल रानी एवं डा0 एम0एल0 जैदका द्वारा निर्मित अध्ययन आदत मापनी एवं शैक्षिक उपलब्धि–(विद्यार्थियों की पिछली परीक्षा में प्राप्त प्राप्तांक को सम्मिलित किया जा रहा है।

सांख्यिकी विधियाँ–

अध्ययन में आँकड़ों के विश्लेषण हेतु प्रसरण (एनोवा) मान एवं टी–अनुपात सांख्यिकी विधियों का प्रयोग किया जा रहा है।

आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या–

1. स्नातक स्तर के कला वर्ग के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन–

H_{01} स्नातक स्तर के कला वर्ग के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव सार्थक नहीं है।

सारणी–1

अध्ययन आदत एवं उपलब्धि

	High	**Moderate**	**Low**	
N	50	97	53	
%	25.00%	48.50%	26.50%	
Σx=	20605	36180	19575	
Σx^2=	8630551	13718834	7278475	
Creativity M=	141.04	121.44	106.00	
S.D.	8.32	5.19	5.07	
Achievement M=	412.10	372.99	369.34	
S.D.	53.31	48.31	30.59	
	df	**SS**	**MS**	
BG	2	61662.62	30831.31	
WG	197	411949.38	2091.11	
Total	199	473612.00	32922.43	
F	**14.744**	**.05= 3.04**	**Significant**	
Group	**N**	**M**	**Difference of group**	**M1-M2**
High	50	412.10	1-2	39.11*
Moderate	97	372.99	1-3	42.76*
Low	53	369.34	2-3	3.65

स्नातक स्तर पर कला वर्ग के विद्यार्थियों के अध्ययन आदत का उपलब्धि पर प्रभाव ज्ञात हेतु 200 कला वर्ग के विद्यार्थियों को चतुर्थांक के आधार पर तीन समूह उच्च में केवल 50(25.00%), मध्यम में 97(48.50%) एवं न्यून में 53(26.50%) कला वर्ग के विद्यार्थी है जिनके आदत का मध्यमान क्रमशः 141.04, 121.44 एवं 106.00 है तथा तीनों की उपलब्धि का Σx= 20605, 36180 एवं 19575 तथा Σx^2= 8630551, 13718834 एवं 7278475 है जिनके बीच एफ–मान 14.744 है जो .05 विश्वास स्तर पर सार्थक है अर्थात् तीनों समूहों की उपलब्धि 412.10, 372.99 एवं 369.34 है तीनों समूहों के मध्यमान का अन्तर (1–2, 1–3 एवं 2–3) में अन्तर 39.11, 42.76 एवं 3.65 है जो (1–2 एवं 1–3) में सार्थक अन्तर है। उच्च अध्ययन आदत वाले कला वर्ग के विद्यार्थियों की उपलब्धि मध्यम एवं न्यून आदत वाले कला वर्ग के विद्यार्थियों की उपलब्धि से अधिक है। अतः कला वर्ग के विद्यार्थियों के अध्ययन आदत का उनकी उपलब्धि पर प्रभाव है।

2. स्नातक स्तर के विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन–

H_{02} स्नातक स्तर के विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव सार्थक नहीं है।

सारणी–2

अध्ययन आदत एवं उपलब्धि

	High	**Moderate**	**Low**	
N	59	87	54	
%	29.50%	43.50%	27.00%	
Σx=	23747	32591	20169	
Σx^2=	9759613	12330545	7631247	
Creativity M=	136.42	121.23	107.35	
S.D.	7.37	4.31	4.68	
Achievement M=	402.49	374.61	373.5	
S.D.	58.96	37.61	43.03	
	df	**SS**	**MS**	
BG	2	33370.80	16685.40	
WG	197	421428.96	2139.23	
Total	199	454799.75	18824.63	
F	**7.800**	**.05= 3.04**	**Significant**	
Group	**N**	**M**	**Difference of group**	**M1-M2**
High	59	402.49	1-2	27.88
Moderate	87	374.61	1-3	28.99
Low	54	373.50	2-3	1.11

स्नातक स्तर पर विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों के अध्ययन आदत का उपलब्धि पर प्रभाव ज्ञात हेतु 200 विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों को चतुर्थांक के आधार पर तीन समूह उच्च में केवल 59(29.50%), मध्यम में 87(43.50%) एवं न्यून में 54(27.00%) विज्ञान वर्ग के विद्यार्थी है जिनके आदत का मध्यमान क्रमशः 136.42, 121.23 एवं 107.35 है तथा तीनों की उपलब्धि का Σx= 23747, 32591 एवं 20169 तथा Σx^2= 9759613, 12330545 एवं 7631247 है जिनके बीच एफ–मान 7.800 है जो .05 विश्वास स्तर पर सार्थक है अर्थात् तीनों समूहों की उपलब्धि 402.49, 374.61 एवं 373.50 है तीनों समूहों के मध्यमान का अन्तर (1–2, 1–3 एवं 2–3) में अन्तर 27.88, 28.99 एवं 1.11 है जो (1–2 एवं 1–3) में सार्थक अन्तर है। उच्च अध्ययन आदत वाले विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की उपलब्धि मध्यम एवं न्यून आदत वाले विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की उपलब्धि से अधिक है। अतः विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों के अध्ययन आदत का उनकी उपलब्धि पर प्रभाव है।

निष्कर्ष

- उच्च के साथ न्यून आदत वाले कम जबकि औसत आदत वाले कला विद्यार्थी अधिक तथा तीनों की उपलब्धि में अन्तर होने के कारण उपलब्धि पर प्रभाव है। अतः स्नातक स्तर के कला वर्ग के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव है।
- उच्च के साथ न्यून आदत वाले कम जबकि औसत आदत वाले विज्ञान विद्यार्थी अधिक तथा तीनों की उपलब्धि में अन्तर होने के कारण उपलब्धि पर प्रभाव है। अतः स्नातक स्तर के विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की अध्ययन आदत का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. कुमार, श्रवण (2018). इलाहाबाद मण्डल के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में आत्म–सम्प्रत्यय, सृजनात्मकता, अध्ययन आदतों का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन, शोध–प्रबन्ध (शिक्षाशास्त्र), नेहरू ग्राम भारती (मानित वि0वि0), प्रयागराज।
2. कुमार, सुभाष (2009). उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थियों की अधिगम की समस्याओं में शैक्षिक अभिप्रेरणा का उनकी अध्ययन आदत, समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धि के सम्बन्ध में अध्ययन, शोध प्रबन्ध, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ।
3. गुरवैह, के. (2004). कक्षा 10 के निवासी एवं अनिवासी विद्यार्थियों के अध्ययन आदत का उनके मनो–सामाजिक गुणों से सम्बन्ध, शोध प्रबन्ध, शिक्षाशास्त्र, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, त्रिरूपति (आन्ध्र प्रदेश)।
4. डेनिज, सबाहटीन (2013). एनालसिस ऑफ स्टडी हैबीट्स एण्ड लर्निंग स्टाइल इन यूनिवर्सिटी स्टूडेन्ट्स, *कस्तमोनू एजूकेशनल जर्नल*, 21(1)।
5. सागर, करताल (2015). माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सृजनशीलता तथा अध्ययन आदत से सम्बन्ध, लघु शोध प्रबन्ध, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर।
6. सिंह, सुरेश कुमार (2013). माध्यमिक स्तरीय विद्यालयों के छात्रों की अध्ययन आदतों एवं अध्ययन अभिवृत्ति का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन, लघु शोध प्रबन्ध, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर।